

चना बोआई का अभी सही समय सीमित सिंचाई में भी अच्छी उपज

खेत
खलिहान



जागरण संवाददाता, कानपुर : खी
सीजन का प्रमुख दलहनी फसल
चने की बौआई के लिए अक्टूबर



का समय
अनुकूल माना
जाता है।
सीमित सिंचाई
वाले किसान
भी इसकी खेती

प्रो. अखिलेश मिश्रा • सीएसए कर अच्छी
उपज ले सकते
हैं। चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं
प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय सीएसए
के कृषि विज्ञान प्रो. अखिलेश
मिश्रा ने अनुसार किसान खेत में
पर्याप्त नहीं होने पर अक्टूबर के
मध्य से नवम्बर की शुरुआत तक
चने की बौआई कर सकते हैं।
समय से बौआई करने पर शुरुआती
बढ़वार अच्छी होती है व फसल को
अनुकूल मौसम मिलता है।

बीज उपचार से मजबूत होगी फसल:
उन्होंने बताया कि बौआई से पहले

- बीज उपचार व नमी प्रबंधन से
बेहतर उत्पादन की उम्मीद,
जलभराव से बचाव व फली
छेदक की निगरानी जरूरी



चने की फसल • सीएसए

खेत की एक-दो बार जुताई कर
मिट्टी भुरभुरी कर लें। जल निकास
की उचित व्यवस्था जरूरी है,
क्योंकि खेत में पानी जमा होने से
चने की जड़ों को नुकसान पहुंच
सकता है। अंतिम जुताई के समय
अच्छी तरह सड़ी गोबर की खाद
का प्रयोग किया जा सकता है।
किसानों को क्षेत्र के अनुकूल
प्रमाणित और स्वस्थ बीज का
चयन करना चाहिए। पूसा-372,
उदय, पंत जी-186, काबुली
एवके-94-134 और डीसीपी 92-
3 चने की किस्म को बो सकते हैं।

